**2024-25**

**भारतीयदर्शनम्/ भारतीयदर्शन**

**(247)**

**शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्रम्/ शिक्षक-अंकितमूल्यांकन–पत्र**

---

**पूर्णांका:/पूर्णांक - 20**

**निर्देशा : (i) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या:। प्रश्नानुसारम् अङ्का: समक्षे निर्देशिता:।**

**(ii) उत्तरपुस्तिकाया: प्रथमपृष्ठे स्वनाम, अनुक्रमांकसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वं लेखनीयम्।**

**निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।**

**(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।**

**1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) आस्तिकनास्तिकदर्शनयो: भेद: व्याख्यातव्य:? (दृष्टव्य-1)

(ख) धर्मशास्त्रस्य भारतीयदर्शनस्य च मध्ये सम्बन्धं स्पष्टीकुरुत? (दृष्टव्य-1)

**किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-**

(क) आस्तिक तथा नास्तिक दर्शन में अंतर स्पष्ट कीजिए? (देखें-पाठ-1)

(ख) धर्मशास्त्र तथा भारतीय दर्शन में संबंध स्पष्ट कीजिए? (देखें-पाठ-1)

**2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) प्रस्थानं नाम किम् ? संक्षेपेण लिखत। (दृष्टव्य-2)

(ख) याज्ञवल्क्यमते विद्यास्थानविषये किम् उक्तम् ? (दृष्टव्य-2)

**किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-**

(क) प्रस्थान क्या है? संक्षेप में लिखिए? (देखें-पाठ-2)

(ख) याज्ञवल्क्य के अनुसार विद्यास्थान के विषय में क्या कहा गया है? (देखें-पाठ-2)

3. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्देषु लिखत-** **2**

(क) चार्वाकदर्शनमते मोक्षस्य स्वरूपं किम्? (दृष्टव्य-7)

(ख) चार्वाकमते देहात्मवाद: क:? (दृष्टव्य-7)

**किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए-**

(क) चार्वाक दर्शन के मत में मोक्ष का स्वरूप क्या है? (देखें-पाठ-7)

(ख) चार्वाक के मत में देहात्मवाद क्या है? (देखें-पाठ-7)

4. **कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत-** **4**

(क) न्यायदर्शनस्य महिमानं वर्णयत। (दृष्टव्य-10)

(ख) वैशेषिकदर्शनानुसारं आत्ममनसो: लक्षणे प्रतिपादयत। (दृष्टव्य-11)

**किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-**

(क) न्याय दर्शन की महिमा का वर्णन कीजिए। (देखें-पाठ-10)

**Contact for Solutions Unnati Educations**
**9899436384, 9654279279**

(ख) वैशेषिक दर्शन के अनुसार आत्मा तथा मन द्रव्यों के लक्षणों को प्रतिपादित कीजिए। (देखें-पाठ-11)

**5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्देषु लिखत-** **4**

(क) मीमांसकमते अनुमानस्य स्वरूपं निरूपयत। (दृष्टव्य-14)

(ख) वेदान्तदर्शनानुसारं विरागस्वरूपं वर्णयत। (दृष्टव्य-17)

**किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए-**

(क) मीमांसक के मत में अनुमान का स्वरूप निरूपित कीजिए। (देखें-पाठ-14)

(ख) वेदान्त दर्शन के अनुसार विराग के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (देखें-पाठ-17)

**6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषयमधिकृत्य परियोजना-विवरणं 500 शब्देषु लिखत।** **6**

(क) वेदान्तानुसारं निर्गुणब्रह्मस्वरूपं विस्तरेण विवेचयत। (दृष्टव्य-18)

(ख) वेदान्तानुसारं सगुणब्रह्मस्वरूपं विस्तरेण विवेचयत। (दृष्टव्य-19)

**नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण 500 शब्दों लिखिए-**

(क) वेदान्त के अनुसार निर्गुण ब्रह्म के स्वरूप को विस्तार से समझाइए? (देखें-पाठ-18)

(ख) वेदान्त के अनुसार सगुण ब्रह्म के स्वरूप को विस्तार से समझाइए? (देखें-पाठ-19)

**Contact for Solutions Unnati Educations**
**9899436384, 9654279279**